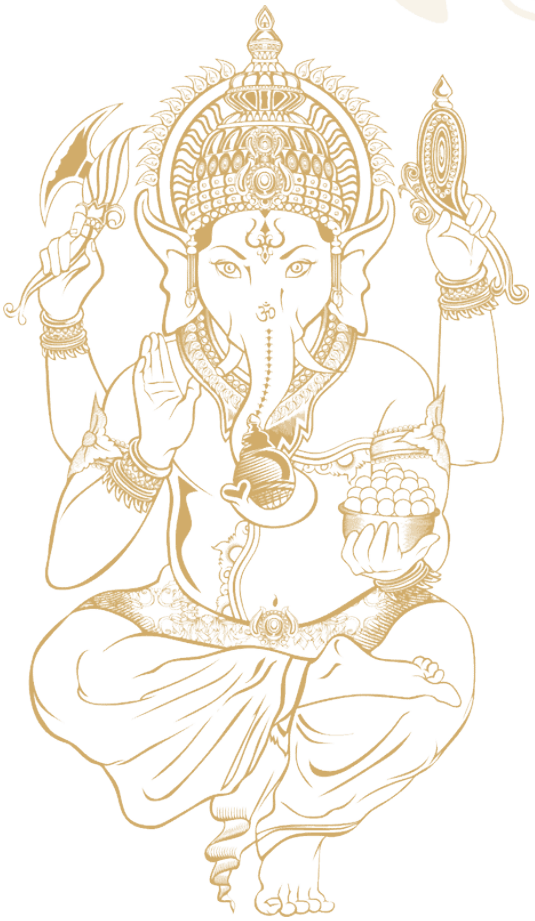

Shivam Shrishti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121083707

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/04/1997	जन्म तिथि	16-17/08/2002
बुधवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 15:57:00	जन्म समय	02:55:00 घंटे
घटी 25:28:13	जन्म समय(घटी)	52:30:49 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Dausa
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	26:51:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	76:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:42	सूर्योदय	05:56:29
18:55:59	सूर्यास्त	19:00:50
23:49:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 0मा 24दि	07:43:33	कन्या	लग्न	मिथु	19:51:50	बुध 14वर्ष 7मा 15दि
गुरु	16:17:45	मेष	सूर्य	कर्क	29:56:29	शुक्र
24/05/2024	20:34:41	मक	चंद्र	वृश्चि	18:31:44	01/04/2024
24/05/2040	22:57:42	सिंह	मंगल	कर्क	28:00:54	01/04/2044
गुरु 12/07/2026	08:12:41	मेष व	बुध	सिंह	22:53:12	शुक्र 02/08/2027
शनि 23/01/2029	25:36:59	मक	गुरु	कर्क	09:25:53	सूर्य 01/08/2028
बुध 01/05/2031	23:30:34	मेष	शुक्र	कन्या	15:49:29	चन्द्र 02/04/2030
केतु 06/04/2032	20:10:16	मीन	शनि	मिथु	02:32:01	मंगल 02/06/2031
शुक्र 06/12/2034	04:06:18	कन्या	राहु	वृष	21:35:15	राहु 02/06/2034
सूर्य 24/09/2035	04:06:18	मीन	केतु	वृश्चि	21:35:15	गुरु 31/01/2037
चन्द्र 23/01/2037	14:47:13	मक	हर्ष व	कुंभ	03:05:29	शनि 01/04/2040
मंगल 30/12/2037	06:08:17	मक	नेप व	मक	15:17:44	बुध 31/01/2043
राहु 24/05/2040	11:04:11	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:02:07	केतु 01/04/2044

लग्न-चलित

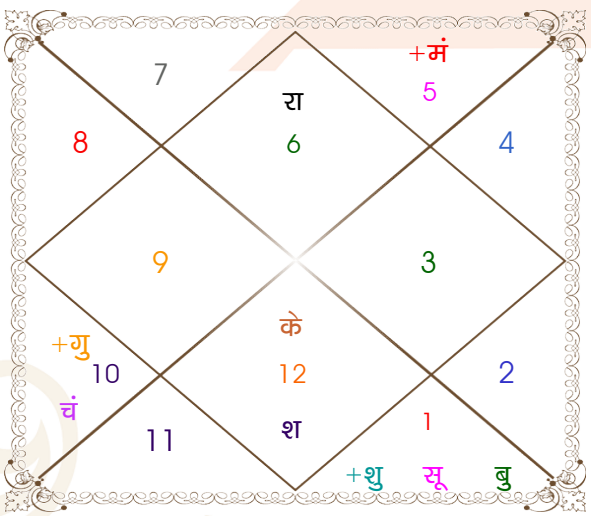

लग्न-चलित

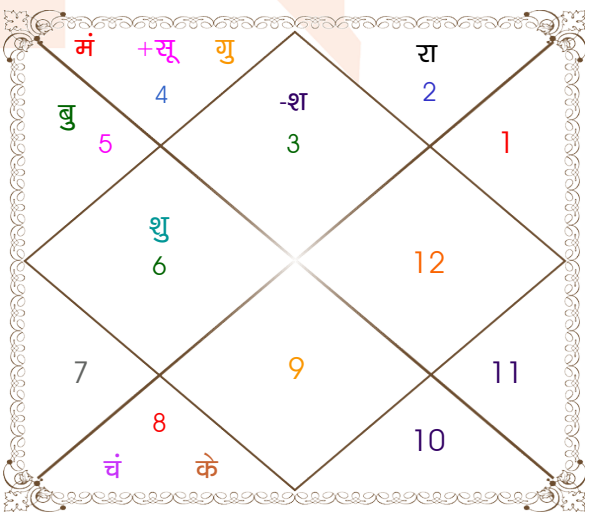

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

ौपअंउ का वर्ग मार्जार है तथाौतपेीजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारौपअंउ औरौतपेीजप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

ौतपेीजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहुौतपेीजप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअंउ तथाौतपेीजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।